बिहार लोक सेवा आयोग की 48वीं से 52वीं तक की सम्मिलित (प्रारम्भिक) संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा, 2008

✍ संजय सुमन

आज हम उस दौर से गुजर रहे हैं, जिसमें हर कदम पर कड़ी प्रतियोगिता है– परीक्षा से लेकर आम जिंदगी में भी. प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में जुटे छात्रों के लिए तो मुश्किल ज्यादा हो गई है. उम्मीदवारों की संख्या बढ़ती जा रही है, जबकि पदों की संख्या घटती जा रही है– सरकारी नौकरियाँ तो और भी कम हो गई हैं. ऐसे में, उन्हीं छात्रों को सफलता मिल रही है, जो एक सुनिश्चित रणनीति के साथ तैयारी करते हैं.

सिविल सेवा भारतीय समाज में एक सुव्यवस्थित और प्रशासनिक सेवा है. इसी कारण इसमें सफल होने की अभिलाषा प्रायः प्रत्येक युवा स्नातक के मन में होती है. इस परीक्षा के माध्यम से राज्य के सर्वोच्च स्तर के अधिकारियों की नियुक्ति होती है. किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम जितना महत्वपूर्ण होता है, उतना ही महत्वपूर्ण योजनाबद्ध कार्यनीति भी होती है. इसलिए कोई भी कार्य करने से पूर्व योजना बनाना जरूरी है. हम जहाँ बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी से सम्बन्धित कुछ महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों के विषय में जानकारी दे रहे हैं. 48वीं से 52वीं बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षा हेतु कुछ सम्भावित प्रश्नों का भी जिक्र कर रहे हैं. जिसे पढ़कर प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र/छात्राएं अवश्य ही लाभान्वित होंगे.

परीक्षा का प्रारूप

बीपीएससी द्वारा संचालित सिविल सेवा परीक्षा तीन चरणों में आयोजित की जाती है. मुख्य परीक्षा के लिए उम्मीदवारों के चयन हेतु प्रारम्भिक परीक्षा का आयोजन किया जाता है. प्रारम्भिक परीक्षा में वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के सामान्य अध्ययन की परीक्षा होती जिसमें कुल 150 प्रश्न तथा समय दो घण्टे निर्धारित होता है. इस प्रारम्भिक परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों को आयोग की तरफ से मुख्य परीक्षा में शामिल होने की अनुमति प्रदान की जाती है. मुख्य परीक्षा में वांछित अंक पाने वाले उम्मीदवार को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है. मेरिट लिस्ट मुख्य परीक्षा तथा साक्षात्कार के सम्मिलित अंकों के आधार पर ही निर्धारित की जाती है. इस अन्तिम मेरिट के निर्धारण में प्रारम्भिक परीक्षा के अंकों को नहीं जोड़ा जाता है.

एक दृष्टि में

- **आवेदन की अंतिम तिथि–** 17 दिसम्बर, 2007
- **प्रारम्भिक परीक्षा की सम्भावित तिथि–** 24 फरवरी, 2008
- **आयोग का पता–** बिहार लोक सेवा आयोग, 15, जवाहरलाल नेहरू मार्ग (बेली रोड), पटना–800 001 (बिहार)
- **वेबसाइट**–http :// b·bih·nic·in
- **उपकार गाइड–** **बीपीएससी (प्रा.) परीक्षा सा. अध्ययन** (कोड–86), **मूल्य**–350·00 **प्रैक्टिस वर्क बुक बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षा** (कोड–72), **मूल्य**–95·00 **बिहार सामान्य ज्ञान** (कोड–109), **मूल्य**–60·00

प्रारम्भिक परीक्षा

प्रारम्भिक परीक्षा सम्पूर्ण परीक्षा प्रणाली की पहली कड़ी है. इसमें बहुविकल्पीय पद्धति पर आधारित 'सामान्य अध्ययन' की परीक्षा होती है. यदि सूक्ष्म दृष्टि से देखा जाए, तो सीमित स्थान के लिए अधिक संख्या में प्रतियोगी होने के कारण प्रारम्भिक परीक्षा ही उम्मीदवारों के लिए सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण बन गई है. प्रारम्भिक परीक्षा को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के लिए योजनाबद्ध अध्ययन आवश्यक है. इसके लिए वैकल्पिक विषय की अधिकाधिक गहराई तक जाने का प्रयत्न करना चाहिए. गत वर्षों के प्रश्न-पत्रों पर नजर दौड़ाने से यह जाहिर होता है कि वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों में अत्यधिक विविधता होती है एवं इसके लिए प्रश्नों का पूर्वानुमान नहीं किया जा सकता है. इसलिए मात्र विषयों की सतही जानकारी रखने की अपेक्षा आपको उसकी अन्य विशेषताओं का भी सभी दृष्टिकोण से विश्लेषण करने की कोशिश करनी चाहिए. उक्त परीक्षा के लिए यह शैली ही लाभदायक है अन्यथा आप पाएंगे कि उत्तरों के सभी विकल्प आपको सही लग रहे हैं, परन्तु यदि आपने विषय का सूक्ष्म एवं व्यावहारिक अध्ययन किया है, तो आप सर्वाधिक सही उत्तर देने में अवश्य सक्षम हो सकते हैं.

तैयारी की रणनीति

भारतीय अर्थव्यवस्था

इस विषय में स्वतंत्रता के बाद भारत की आर्थिक प्रगति, विभिन्न योजनाएं, प्रगति की दर, विभिन्न पंचवर्षीय योजनाएं, कल-कारखानों का विकास, बेरोजगारी, गरीबी-निवारक योजनाएं (बिहार के सन्दर्भ में भी) इत्यादि से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाते हैं. भारतीय अर्थव्यवस्था के तहत् परम्परागत प्रश्नों के साथ-साथ सामयिक संदर्भों से जुड़े प्रश्न भी पूछे जाने की सम्भावना रहती है. सामयिक सन्दर्भ के प्रश्न नई आर्थिक नीति, पंचवर्षीय योजना, भुगतान सन्तुलन, रुपए की परिवर्तनीयता, आयात-निर्यात नीति, वित्त आयोग, बैंकों का निजीकरण, पर्यटन, मूल्य वृद्धि, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, समिति/आयोग की रिपोर्ट, नई कृषि नीति, मृत्यु व जन्म दर, जनसंख्या की विकास दर, आर्थिक गतिविधियों से जुड़े संगठनों आदि जैसे मुद्दों पर प्रश्न पूछे जा सकते हैं. कुछ प्रश्न ताजा सर्वेक्षण, बजट, समिति, अर्थव्यवस्था के विभिन्न कारक व मदों आदि पर आधारित होते हैं. इसके लिए समाचार-पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित आर्थिक समाचारों व लेखों का अध्ययन जरूर करें.

भारतीय इतिहास

यह एक ऐसा विषय है जिससे सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं में प्रश्न पूछे जाते हैं. इसके प्रश्नों का प्रतिशत अन्य विषयों से अधिक होता है. इसमें प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय इतिहास से प्रश्न पूछे जाते हैं. महत्वपूर्ण व्यक्ति, वंश, युद्ध पर सवाल होते हैं, अगर कोई घटना पहले-पहल हुई, जैसे– सोने के सिक्के का प्रचलन सबसे पहले कब हुआ, विभिन्न धर्म एवं उनके संस्थापक, प्रमुख ऐतिहासिक पुस्तकें एवं लेखक, विभिन्न युगों की प्रचलित शासन व्यवस्था, सामाजिक अवस्था, धार्मिक स्थिति इत्यादि. महत्वपूर्ण राजा एवं उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्य, विदेशी आक्रमण, विदेशी यात्री, मध्यकालीन भारत के प्रमुख राजा, उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्य, प्रमुख युद्ध, आधुनिक भारत के प्रमुख ब्रिटिश गवर्नर जनरल व वायसराय तथा उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्य, भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के प्रमुख व्यक्ति, विभिन्न आन्दोलन, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बिहार की भूमिका पर प्रश्न आदि.

भारतीय संस्कृति

इसके तहत् छात्र/छात्राओं को मौर्य और पाल कला की चित्रकला की प्रमुख विशेषताओं से अवगत होने के साथ ही शास्त्रीय व क्षेत्रीय नृत्य, चित्रकला, स्थापत्य कला की विभिन्न शैलियाँ, प्रमुख त्यौहार, कला संस्कृति से जुड़ी अकादमियों और संस्थाओं, प्रमुख नर्तक, नाटक एवं उसकी प्रसिद्धि के कारण, बिहार में चित्रकला (मधुबनी चित्रकला, पटना कलम आदि), क्षेत्रीय पर्व, राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न एवं उसके नाम व महत्व, राष्ट्रीय पुरस्कार एवं उसके विजेता, खेल सम्बन्धी जानकारी, राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में प्रथम, देश के प्रमुख पदों पर आसीन व्यक्तियों के नाम इत्यादि.

भारत/विश्व का भूगोल

भूगोल को दो भागों– भारत का भूगोल तथा विश्व का भूगोल–में विभाजित किया जा सकता है. प्रतियोगिता परीक्षा में विशेषकर भारतीय भूगोल से सम्बन्धित प्रश्न अधिक पूछे जाते हैं. भौतिक भूगोल के अन्तर्गत स्थलमण्डल, जलमण्डल, वायुमण्डल और जैवमण्डल का अध्ययन आदि. भूगोल पढ़ते समय एटलस सदैव साथ रखना चाहिए ताकि महत्वपूर्ण स्थानों, नदियों, झीलों, पर्वतों, पठारों, मार्गों, सागरों आदि की सही अवस्थिति का ज्ञान हो सके. विश्व भूगोल के अन्तर्गत विभिन्न देशों के महत्वपूर्ण नगरों, राजधानियों, बंदरगाहों, जलमार्गों, रेलमार्गों, कृषि एवं उद्योग, व्यापार, वन क्षेत्रों, मरुस्थलों, घास के मैदानों, ज्वालामुखियों, मानव प्रजातियों एवं जनजातियों, मानचित्र आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं. भारत के भूगोल के अन्तर्गत भारत की अवस्थित, भू-आकृति, भू-वैज्ञानिक संरचना, जलवायु, मृदा, अपवाह तंत्र आदि की अवधारणात्मक समझ आवश्यक है. भूगोल का अध्ययन करते समय बिहार राज्य के सन्दर्भ में विशेष अध्ययन करना न भूलें.

हाल ही में खोजे गए खनन क्षेत्रों तथा तेल एवं गैस क्षेत्रों, परिवहन एवं संचार के क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना आदि टॉपिक महत्वपूर्ण हैं. पर्यावरण-पारिस्थितिकी एवं जैव-विविधता, भारत की जनांकिकीय संरचना, जैसे टॉपिक पिछले कुछ वर्षों से काफी महत्वपूर्ण बन गए हैं, अतः पर्यावरण प्रदूषण, भूमण्डलीय तापन, परितंत्र, जैव-आरक्षित क्षेत्र, राष्ट्रीय उद्यान, आर्द्र-भूमि तथा धारणीय विकास, जनसंख्या सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथ्य, विभिन्न जनजातियाँ, लिंगानुपात, शहरीकरण तथा जनसंख्या का धार्मिक एवं भाषायी संघटन आदि टॉपिक महत्वपूर्ण हैं.

भारतीय राजव्यवस्था

राजव्यवस्था के तहत् स्वतंत्रता पूर्व का महत्वपूर्ण संवैधानिक विकास एवं वर्तमान में लागू संविधान से महत्वपूर्ण तथ्य, जो सामान्य नागरिकों से जानने की अपेक्षा की जाती है, पूछे जाते हैं. मौलिक अधिकार और कर्तव्य, लोक सभा, राज्य सभा, राज्य की विधायिका, राष्ट्रपति, राज्यपाल, उच्चतम व उच्च न्यायालय, निर्वाचन आयोग, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, पंचायती राज, राज्य के नीति-निर्देशक तत्व, संविधान संशोधन की प्रक्रिया, लोक सेवा आयोग, दल-बदल कानून आदि पर प्रश्न पूछे जाते हैं. राजव्यवस्था के उक्त विषयों से सम्बन्धित नवीन घटनाओं की जानकारी जरूरी है. राष्ट्रीय महिला आयोग, अल्पसंख्यक आयोग, अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग पर भी प्रश्न पूछे जाते हैं. संविधान के अनुच्छेदों पर भी सजग दृष्टि रखने की आवश्यकता है.

सामान्य विज्ञान

सामान्य विज्ञान के अन्तर्गत भौतिक, रसायन एवं जीव विज्ञान से प्रश्न पूछे जाते हैं. **भौतिक विज्ञान** के अन्तर्गत विभिन्न भौतिक राशियों के मात्रक तथा उनकी इकाइयाँ, सदिश एवं अदिश राशियाँ, प्रकाशिकी, तंतु प्रकाशिकी, अंतरिक्ष, ध्वनि, विद्युत्, चुम्बकत्व, रेडियोधर्मिता एवं इसके उपयोग, अतिचालकता, ऊर्जा, क्रायोजेनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा ध्वनि आदि महत्वपूर्ण टॉपिक हैं. **रसायन विज्ञान** के अन्तर्गत आवर्त सारिणी, परमाणु संरचना, तत्वों और यौगिकों की विशेषताएं तथा इनके उपयोग, मिश्र धातुएं, कार्बन और इसके यौगिक आदि टॉपिक महत्वपूर्ण हैं. **जीव विज्ञान** के अन्तर्गत कोशिका, आनुवंशिकी, जीन अभियांत्रिकी, विभिन्न रोगों और उनके जनक, विटामिन एवं खनिज तत्व, हॉर्मोन, एंजाइम, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी, फसलों की अधिक उत्पादक किस्में, फसलों के रोग, शैवाल, विभिन्न चीजों को खोजने वाले या आविष्कारक, मानव शरीर के विभिन्न अंग एवं उनके कार्य आदि विषयों पर अधिक बल देने की आवश्यकता है. कुछ टॉपिक विज्ञान में हो रहे आधुनिक विकास से सम्बन्धित होते हैं. इनमें महत्वपूर्ण हैं– कम्प्यूटर, आभासी वास्तविकता (वर्चुअल रियलिटी), गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत (हाइड्रोजन तथा सौर ऊर्जा), प्लाज्मा, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर, एड्स, ऊतक संवर्द्धन, सार्स, बर्ड फ्लू, जीएम फसलों, क्लोनिंग, जैव-उर्वरक, नैनो-टेक्नोलॉजी, लेजर, रेडार, जीनोम आदि.

समसामयिक घटनाएं

समसामयिक ज्ञान की तैयारी अखबार, पत्रिका, रेडियो व दूरदर्शन समाचारों के बिना अच्छी तरह से नहीं हो सकती. अखबार एवं पत्रिका के समाचारों का कोई भी विकल्प नहीं है. अखबार, पत्रिका और रेडियो-दूरदर्शन, इन तीनों माध्यमों में अखबारों को मैं सबसे महत्वपूर्ण मानता हूँ. प्रतियोगी परीक्षार्थी को इनके प्रति गम्भीरता रखनी चाहिए. परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक है कि वे कम-से-कम दो अखबार अवश्य पढ़ें. इसमें एक प्रान्तीय व दूसरा राष्ट्रीय होना चाहिए. आपके पास सामान्य ज्ञान के दो स्तरों का होना अनिवार्य है. पहला, अपने राज्य का. दूसरा, राष्ट्रीय स्तर का, अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय समसामयिक घटनाक्रम में मुख्यतः खेलकूद, साहित्य, सिनेमा, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति तथा राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर केन्द्रित प्रश्न पूछे जाते हैं. परीक्षार्थी यह नोट करें कि समसामयिक घटनाएं किसी भी क्षेत्र से सम्बन्धित हो सकती हैं. इसलिए सभी क्षेत्रों पर परीक्षार्थी की नजर रहनी चाहिए. उन्हें परीक्षा की तिथि से छः माह पूर्व तक की घटनाओं का अध्ययन कर लेना चाहिए.

खास बातें

छात्रों को तैयारी के लिए एक योजनाबद्ध समय-सारणी बनानी चाहिए और दिनचर्या भी सुव्यवस्थित करनी चाहिए. रुटीन के हिसाब से पढ़ाई-लिखाई और उस पर दोस्तों, सीनियरों और शिक्षकों के साथ समय पर वाद-विवाद तैयारी को दृढ़ता प्रदान करता है.

सांख्यिकी

सांख्यिकी के तहत् पूछे जाने वाले प्रश्न साधारणतया सारणीयन, रेखाचित्र, सामान्य अंकगणितीय गणना तथा तार्किक तथ्यों पर आधारित होते हैं.

बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी के सन्दर्भ में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि, जो भी पढ़ा जाए, प्रामाणिक एवं तथ्यात्मक हो. सिर्फ उन्हीं पुस्तकों को पढ़ें, जो किसी प्रतिष्ठित प्रकाशन की और प्रसिद्ध लेखक की हों. उपकार प्रकाशन, प्रकाशन विभाग (भारत सरकार), एनसीईआरटी, नेशनल बुक ट्रस्ट की पाठ्य सामग्रियाँ बीपीएससी (सिविल सेवा) की प्रारम्भिक परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए अधिक लाभकारी है.

यदि आप इस प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी के लिए किसी कोचिंग संस्थान में प्रवेश ले रहे हैं, तो प्रामाणिकता की जाँच करके ही प्रवेश लें. कोचिंग की विश्वसनीयता की जाँच आप स्वयं ट्रायल क्लासेस लेकर कर सकते हैं. कोचिंग संस्थान में जाने पर व्यक्ति को एक निश्चित दिशा प्राप्त करने में सहायता मिलती है. थोड़े से परिश्रम से अधिक-से-अधिक कारगर तैयारी करने में ये बहुत मदद करते हैं.

अंत में, अभ्यस्त जीवन और अनुशासित दिनचर्या ही व्यक्ति को इस परीक्षा में सफलता दिलवा सकता है. साथ ही उसमें लगन, नियमित रूप से पढ़ते रहकर परीक्षा की तैयारी करने तथा धैर्यपूर्वक सूझबूझ के साथ प्रश्न-पत्रों को हल करने का स्वभाव उन्हें इस परीक्षा में सफलता दिलवा सकता है. यदि आप सिविल सर्विसेज (बीपीएससी) परीक्षा के बारे में कुछ भी पूछना चाहते हैं, तो अपने विवरण के साथ हमें sanjay@careersalah.com पर ई-मेल कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं.

सही पुस्तकों का चयन : सफलता की कुंजी

इतिहास

एनसीईआरटी की नवम् से बारहवीं कक्षा तक की पुस्तकें
प्रतियोगिता दर्पण अतिरिक्तांक
प्रकाश विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तकें
अद्भूत भारत–ए. एल. बाशम
स्वतंत्रता संग्राम–विपिन चंद्रा
प्राचीन भारत का इतिहास–रोमिला थापर
सिविल सर्विसेज भारतीय इतिहास–डॉ. के. के शर्मा

राजव्यवस्था

प्रतियोगिता दर्पण अतिरिक्तांक
भारत का संविधान–जयनारायण पांडे
हमारा संविधान–सुभाष कश्यप
आईआईपीए जर्नल–
डी. डी. बसु की पुस्तकें–

भूगोल

प्रतियोगिता दर्पण अतिरिक्तांक
एनसीईआरटी कक्षा 6 से 12 तक की पुस्तकें
खुल्लर की भूगोल
सुरेश प्रसाद का इंटरमीडिएट भूगोल
फिजीकल ज्योग्रेफी–गो चेंग लियांग
ओरिएंट लांगमैन एटलस

भारतीय अर्थव्यवस्था

प्रतियोगिता दर्पण 'भा. अर्थव्यवस्था' अतिरिक्तांक
भारतीय अर्थव्यवस्था–दत्त व सुन्दरम्, एस. के. रे. मिश्रा व पुरी
इवॉलूशन ऑफ इंडियन इकॉनमी–धींगरा
आर्थिक सर्वेक्षण
योजना

सामान्य विज्ञान

प्रतियोगिता दर्पण अतिरिक्तांक
एनसीईआरटी की पुस्तकें
द ह्यूमन मशीन–नेशनल बुक ट्रस्ट
एबीसी साइंस (होली फेथ)
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की रिपोर्ट

समसामयिक घटनाएं/कैरियर पत्रिकाएं

प्रतियोगिता दर्पण समसामयिक घटनाचक्र Vol. I & II
एक राज्यस्तरीय अखबार एवं एक राष्ट्रीय अखबार
रोजगार समाचार
योजना
विज्ञान प्रगति
इंडिया टुडे

अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें

प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी
प्रतियोगिता दर्पण के अतिरिक्तांक
भारत–2007, 2008 (प्रकाशन विभाग, भारत सरकार)
सामान्य ज्ञान डाइजेस्ट (उपकार प्रकाशन)
सामान्य अध्ययन (यूनिक पब्लिकेशन)

महत्वपूर्ण वेबसाइट

भारत पर सम्पूर्ण जानकारी के लिए–
http://india.gov.in
किसी भी टॉपिक के बारे में–
www.britenicaencyclopaedia.com
नवीनतम सामान्य ज्ञान के लिए–
www.currentgk.com
हिन्दी में समाचारों के लिए–
www.amarujala.com
www.hindustandainik.com
www.bhaskar.com
www.jagran.com
अंग्रेजी में समाचारों के लिए–
www.thehindu.com
www.timesofindia.com